बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-3

“मुझे ऐसा ही एक औरत की चुदाई करने का मौक़ा मिल गया. उसने मुझे अपने घर बुलाया तो उसकी नौकरानी मिली. वो जवान थी. उसने कैसे मुझसे चूत चोदन करवाया. पढ़ें ! …”

Story By: (invgupta)
Posted: Monday, January 14th, 2019
Categories: नौकर-नौकरानी
Online version: बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-3

दोस्तो, कहानी के पिछले भाग
बीमारी ने दिलायी प्यासी भाभी की चूत-2
में आपने पढ़ा कि मैं काम के सिलसिले में हैदराबाद गया था. वहां एक रात अचानक मेरी तबीयत खराब हो गयी. वहां मैं एक महिला से मिला और रात उसके साथ बिताने के बाद जब सुबह मैं निकलने लगा तो वो बोली कि अब तुम यही मेरे साथ मेरे घर पर ही रहोगे. मुझे भी केवल 2-3 दिन का काम बाकी था तो मैंने कहा कि ठीक है, तुम परेशान मत हो मैं शाम को आ जाऊंगा. लेकिन वो नहीं मानी और मेरे साथ जा कर मेरा सामान ले कर आ गयी.
अब आगे :

शाम को काम के बाद जब मैं 6 बजे घर पहुंचने वाला था. तो मैंने उसे फोन किया कि वो कहां है और कितने बजे तक घर आएगी. उसी समय मैं भी वापस आ जाऊंगा.. तब तक मैं किसी बार में बैठता हूँ.
वो बोली- तुम मेरी चिन्ता मत करो, मैंने इन्तजाम कर दिया है. तुम कभी भी घर पहुंचो, तुमको घर खुला मिलेगा.
मेरे पूछने पर वो बोली- मैंने अपनी काम वाली को बोल दिया है और वो शाम 4 बजे से 8 बजे मेरे आने तक तुम्हारा ख्याल रखेगी.
मैंने सोचा कि चलो कोई बात नहीं केवल दो घन्टे की तो बात है, काट लेंगे.

जब मैं घर पहुँचा तो घर का दरवाज़ा खुला था लेकिन फिर भी मैंने घन्टी बजायी. तो एक 22-24 साल की लड़की बाहर आयी और उसने मेरे बारे में पूछा.
मैं बोला- मेमसाब ने बताया होगा कि मैं आने वाला हूँ.

तो वो बोली- ओके ओके … वो आप हैं उनके दोस्त. आइये आइये मैं आपका ही इन्तज़ार कर रही थी.

मैं चौंक गया और मैंने पूछा- मेरा इन्तज़ार क्यों ?
तो वो अचकचा कर बोली- व्वो … मेरी चाय पीने की बहुत इच्छा हो रही थी और मैं अभी सोच ही रही थी कि आप आ गए, सच में बहुत सही समय पर आए हो.

खैर मैं उसे बोल कर कि 'चाय बना लो' अन्दर फ्रेश होने चला गया. लेकिन होटल की आदत बहुत खराब होती है, मतलब मैं बिना तौलिए के ही चला गया. नहाने के बाद जब मैंने तौलिया खोजा, तो याद आया कि ये तो किसी का घर है और खुद अपना तौलिया लाना था.

पहले सोचा कि उसे आवाज़ लगा कर उससे मंगा लूँ, लेकिन फिर सोचा कि छोड़ो, वो तो किचन में है, मैं जल्दी से बाहर जा कर ले लेता हूँ.
बाथरूम तो उसी कमरे में था, जिसमें मेरा सामान रखा था. तो मैं थोड़ा पानी झाड़ कर बाहर निकला और तौलिया खोजने लगा, लेकिन किस्मत मेरी कि उस कमरे में कोई तौलिया ही नहीं था.

अब मैं जब तक वापस गुसलखाने में जाता, वो कामवाली लौंडिया कमरे आ गयी और मुझे नंगा देख कर हंसने लगी.
मैंने कहा- अन्दर तौलिया नहीं था तो ऐसे आना पड़ा.
वो बोली- मैंने बाहर सुखाये हैं, मुझे आवाज़ लगा देते, मैं दे देती.

मैंने देखा कि जब वो नहीं शर्मा रही तो मैं क्यों शर्माऊं … और वो डबल मीनिंग वाली बात बोल रही है.
मैं उससे बोला- तो अब दे दे.

वो आँख मटका कर बोली- क्या ?
मैंने कहा- जो तू देने की कह रही थी.
वो बोली- मैं तो चाय की बात कह रही थी.

मैंने भी सोचा कि कहां इसके चक्कर में पड़ना. मैं उससे बोला- जा और जा कर तौलिया ले आ.
वो बोली- तौलिये तो अभी सूखे नहीं हैं.
यह कहते हुए उसने चाय के कप मेज़ पर रख दिए और झुक कर अपनी गांड हिलाने लगी.

मैं समझ गया कि इसके मन में कुछ तो चल रहा है. तो मैं उसके पीछे गया और उससे चिपक कर अपना शरीर उसके लहंगे से पौंछने लगा. जब मेरी टांगें पुंछ गईं, तब तक तो कोई बात नहीं थी, लेकिन जब मैं उसका लहंगा उठा कर ऊपर का शरीर पौंछने लगा तो मेरा लंड उसकी गांड से टच कर गया.

वो ईईइश्श्श्स्श … करते हुए बोली- साब क्या कर रहे हो.. नीचे कुछ चुभ रहा है.
मैं बोला- एक तो तौलिया नहीं दिया और फिर झुक कर गांड हिलाती है. जब पहले लहंगा उठा कर टांगें पौंछी, तब कुछ नहीं बोली, तो अब क्यों बोल रही है ?
वो बोली- मेमसाब आने वाली होंगी.
मैंने कहा- ओह तो ये बात है मेमसाब का डर लग रहा है. वो तो अभी और 1 घन्टे नहीं आने वाली.
वो बोली- अगर पानी पौंछ लिया हो तो मैं अपनी चाय पी आऊं.

मैं चौंक गया कि ये क्या चीज़ है … पल पल में रंग बदल रही है. मैंने एक हल्का सा नीचे से धक्का मारा और कहा- जा अपनी चाय यहीं ले आ.
वो बोली- क्यों ?
मैंने कहा- चाय में दूध कम है … ताज़ा दूध डाल कर पीने में मज़ा आएगा.

वो बोली- अभी ताज़ा दूध नहीं आता.
मतलब वो भी पूरी गुरु थी.

मैंने कहा- फिर कब आता है ?
तो बोली- अभी आने में बहुत टाइम है.
मैंने भी कहा- कभी कोशिश करी ?
तो बोली- बहुत बार.
अब मैं समझ गया था कि ये अपने दूध के बारे में ही बोल रही है.
तो मैंने कहा- मैं भी आज कोशिश कर के देख लेता हूँ.

वो हंसने लगी और बोली- फिर थक जाओगे और फिर रात को कुछ खा नहीं पाओगे.
मैंने कहा- तू पहले चाय तो ले आ.

अब तक मैं कपड़े पहन चुका था तो वो जोर से सांस लेते हुए बोली- लोग केवल बोलते रहते हैं और कपड़े पहन कर कमरे में बैठे रहते हैं.
यह बोल कर हंसती हुई भाग गयी.
मैंने कोई जल्दबाज़ी नहीं की और आराम से चाय पी और फिर वहीं पलंग पर लेट गया.

थोड़ी देर में वो आयी और बोली- क्या हुआ .. दूध नहीं निकालना ?
मैंने कहा- अभी थोड़ा थका हुआ हूँ. कुछ देर आराम कर लूँ, फिर देखते हैं.
वो बोली- फिर तो मेमसाब आ जाएंगी फिर मेरी तरफ़ थोड़ा देखोगे ?
मतलब उसे भी नीचे आग लगी हुई थी.

मैंने कहा- फिर पहले मेरी थोड़ी मालिश कर दे.
वो बोली- ठीक है.
वो भाग कर तेल ले कर आ गयी. मैंने निक्कर और टी-शर्ट पहनी थी.

वो बोली- इनको उतार दो … नहीं तो तेल लग जाएगा.
मैंने कहा- खुद उतार दे.

उसने एक झटके में मेरा निक्कर निकाल दिया और दूसरे झटके में टी-शर्ट उतार दी.
मैंने कहा- बहुत जल्दी है ?
तो बोली- हां है तो.
मैंने कहा- अपने कपड़े निकाल दे … नहीं तो ये तेल में खराब हो जाएंगे.
वो बोली- मेरे कपड़ों की इतनी चिन्ता है तो खुद निकाल दो न.
मैंने कहा- मुझे क्यों चिन्ता होती, मत उतार.
मैं लेट गया.

वो बोली- बहुत गन्दे आदमी हो … पता नहीं मेमसाब ने क्या देखा और घर ले आयीं.
फिर उसने अपना लहंगा निकाल कर मेरे सामने ही एक पतली सी चुन्नी बाँध ली और मुझसे थोड़ा गुस्से में बोली- पीठ ऊपर कर के लेट जाओ.
मैं कन्धे और घुटनों पर हो गया तो वो जोर से हंसी और बोली- ये मेरी पोजीशन है … मुझे आती है, तुम आदमी की तरह लेट जाओ.
मैंने कहा- बहुत मज़ाक हो गया.

मैं एकदम से पलटा और उसे बांहों में लेकर अपने नीचे लिटा लिया. अब मैं बोला- बहुत देर हो गयी दोअर्थी बात करते हुए … अब बता कौन सी पोजीशन पसन्द है.
वो बोली- छोड़ो मुझे … वरना मैं चिल्ला दूँगी.
मैंने कहा- कोई बात नहीं … लोगों को देखने दे कि तू इतनी पतली चुन्नी बाँध कर मेरे कमरे में क्या करने आयी थी.
वो खुल कर बोली- गांड मराने आयी थी … पर बोल दूंगी कि इनका खड़ा ही नहीं होता है.
मैंने कहा- साली, एक बार नीचे हाथ कर के देख ले, कहीं तेरी बात झूठी न हो जाए.

उसने हाथ नीचे किया और बोली- अरे बाप रे … इत्ता बड़ा !

उसने दूसरे हाथ से मेरी गर्दन पकड़ कर होंठों से होंठ चिपका दिए. वो एक तरफ़ ज़ोर से होंठ चूस रही थी और दूसरी तरफ़ मेरे लंड को पकड़ कर दबा रही थी.
मैं भी कहां पीछे रहने वाला था, मैं उसके कुर्ते के अन्दर हाथ डाल कर उसकी चुच्ची जोर के मसलने लगा. चुच्ची मसलते ही उसने होंठ छोड़े बिना अपनी कमर का धनुषबाण बना दिया. मैं तो नंगा था ही.. और उसकी चुन्नी बहुत छोटी और हल्की सी थी. मैंने एक हाथ से उसे खोल कर निकाल दिया. उसके कुर्ते को खोलने के लिए पीछे से चैन थी, वो भी मैंने खींच कर खोल दी.

लेकिन उसने मेरे होंठ और लंड को नहीं छोड़ा. चैन खुलने के बाद मैंने उसका कुर्ता ऊपर कर दिया और दोनों चुच्चियों को कस कस कर दबाने लगा.

वो अब मेरे लंड को अपनी चूत पर घिसने लगी. फिर उसने सांस लेने के लिए मेरे होंठ छोड़े, तो मैंने फौरन उसकी एक चूची को चूसना शुरू कर दिया.
वो बोली- और जोर से चूसो और काटो मेरे निप्पल को.
उसने मेरे सर को अपनी चुच्चियों पर जोर से दबा दिया. उसकी चुचियां ज्यादा बड़ी तो नहीं थीं, पर छोटी भी नहीं थीं. शायद 32C की रही होंगी.. लेकिन एकदम मुलायम रुई जैसी और एकदम खड़ी हुई चूचियां थीं.

मैंने जोर जोर से चूसना और निप्पल को काटना शुरू कर दिया. वो जोर जोर से यस यस यस.. करने लगी और मेरे लंड को अपनी चुत पर और तेज़ी से रगड़ने लगी.

कोई 5-6 मिनट के इस खेल के बाद मैंने उसे अपने ऊपर ले लिया. उसकी चुत अपने मुँह पर रख ली और जोर से चूसने लगा. मैंने देखा कि उसका दाना करीब एक इन्च का था. मुझे बड़े दाने को चूसने में बहुत मज़ा आता है. उसका बड़ा सा दाना मैंने मुँह में लिया और जोर

से खींचते हुए चूसना शुरू कर दिया. मैं दोनों हाथों से उसकी चुचियां भी दबा रहा था. उसे तो उसे … मुझे भी बहुत मज़ा आ रहा था.

फिर मैंने उसकी चुत में अपनी ज़ीभ डाल दी और नाक से उसका दाना रगड़ते हुए उसकी चुत को ज़ीभ से चोदने लगा. वो आह आह आह आह करने लगी. फ़िर वो एकदम से पलटी और मेरे ऊपर उल्टी हो कर 69 में लेट गयी. अब वो अपनी चुत मेरे मुँह पर ऐसे मारने लगी, जैसे वो मेरे मुँह को चोद रही हो.

दूसरी तरफ़ वो मेरे लौड़े को मुँह में लेकर चूसने लगी. वो पूरा लौड़ा मुँह में गले तक लेती और धक्के मारती हुई अन्दर तक लंड ले लेती. आज तक मुझे कोई मुँह से झड़ा नहीं सका है.. लेकिन मुझे लगा आज ये तो मेरा पानी मुँह से निकाल ही देगी.

फ़िर मैंने उस तरफ़ ध्यान न देते हुए उसकी चुत पर ध्यान लगाया और मैं भी और जोर से चूसने और उसके दाने को काटने लगा. मेरी उम्मीद के उलट, जब मैं उसके दाने को काटता, वो लंड को छोड़ कर चिल्लाने की जगह और अन्दर लेने की कोशिश करती, जैसे मेरे टट्टों को भी खा जाएगी.

खैर कुछ 3-4 मिनट के बाद वो उठी और बोली- अब मैं अपनी पोजीशन में आती हूँ.
मैंने भी कहा- ठीक है आजा.

मैंने उसे पलंग के किनारे पर कंधों और घुटनों पर कर दिया और मैं नीचे खड़ा हो कर उसकी चुदाई करने लगा. वो भी जबरदस्त स्टेमिना वाली थी, अभी तक झड़ी नहीं थी और मेरे हर धक्के पर अपनी गांड पीछे करके मेरा पूरा साथ दे रही थी.

इतने में उसके मोबाइल पर अलार्म बजा या घन्टी.. पता नहीं क्या था. वो बोली जल्दी जल्दी करो.. अपने पास अब ज्यादा समय नहीं है.

मैं कुछ समझा नहीं, पर मैंने अपनी गति बढ़ा दी और उसकी दोनों चुचियों को पकड़ कर पीछे से जोरदार धक्के मारने लगा.
एक मिनट बाद मैंने उससे बोला- मेरा होने वाला है.
वो बोली- हो जाओ अन्दर ही … मैं भी होने वाली हूँ. अगर तुमने निकाला तो मैं नहीं हो पाऊंगी.
मैंने कहा- बच्चा रुक गया तो ?
वो बोली- नहीं रुकेगा … मैं गोली ले लूंगी.

बस फ़िर क्या था, मैंने और 10-15 धक्के मारे और उसके अन्दर ही पानी छोड़ दिया. मेरे साथ साथ उसने भी पानी छोड़ दिया. झड़ने के बाद जैसे जैसे वो आगे पलंग पर लेटती गयी, मैं उसके ऊपर लेट गया और फ़िर साइड में लुढ़क गया.

वो घूमी और मेरे सीने में सर छुपा कर मुझसे लिपट गयी और मेरे सीने पर पप्पियां करने लगी. मैंने भी उसके सर पर पप्पी करते हुए उसे अपने से चिपका लिया.
कुछ 5 मिनट बाद वो बोली- चलो उठो … मेमसाब आने वाली हैं.
मैंने कहा- तुझे कैसे पता ?

तो उसने जो बोला … मैं सुनकर हैरान हो गया.
वो बोली- वो घन्टी मेमसाब के फोन की थी कि वो 15 मिनट में पहुँच जाएंगी.
मैंने कहा- मतलब ?
तो वो बोली- मेमसाब ने बोला था कि मेरे आने तक साब की अच्छी से सेवा करना … उन्हें मेरी कमी नहीं महसूस होनी चाहिये.
मेरे ‘मतलब … ?’ पूछने पर मेमसाब बोलीं- इतनी बड़ी हो गयी शादी हो गयी तेरी … तुझे पता नहीं कि मर्द को कैसे खुश रखते हैं.

तो मैंने पूछा- तूने ऐतराज़ नहीं किया ?

वो बोली- मेरा शादी से पहले ऐसे घर से बाहर किसी से चुदवाने का बहुत मन था पर कभी मौका नहीं मिला, आज मिला तो क्यों छोड़ती और एक तुम हो कि कुछ कर ही नहीं रहे थे. तौलिया मैंने छुपाया था. मेमसाब तो गुसलखाने में रख कर गयी थीं.

मैं उसको देखे जा रहा था.
वो बोली- मैं तो सुबह से प्लान कर रही थीं, जब से मेमसाब का फोन आया था.
मैं दंग था.
फ़िर वो बोली- अभी तो आपके लिए और भी सरप्राइज़ है … देखते रहो.

मैंने उससे पूछा पर वो इठलाती हुई वहां से अपने कपड़े ले कर दूसरे कमरे में भाग गयी. उसने दरवाज़ा अन्दर से बन्द कर लिया. मैंने भी सोचा चलो छोड़ो, अभी थोड़ी देर में पता चल जाएगा. तब तक मैं भी फ़िर से फ्रेश हो कर तैयार हो जाता हूँ.

अब क्या सरप्राइज़ मिलने वाला है, यह अगली कहानी में लिखूंगा. मेरी इस हिंदी सेक्स कहानी पर आप अपने विचार मुझे भेज़ सकते हैं.
invgupta@yahoo.com

Other stories you may be interested in

बस स्टॉप के पीछे गर्लफ्रेंड को चोदा

दोस्तो, सबसे पहले अन्तर्वासना का धन्यवाद जिसकी कृपा से सभी को लंड को खड़ा करने वाली और चूत में उंगली डालने को मजबूर करने वाली कामुक कहानियाँ पढ़ने और लिखने को मिल जाती हैं। मैं आप सबको अपने बारे में […]
Full Story >>>

वाइफ की गांड चुदाई इनकमटैक्स ऑफिसर से

अन्तर्वासना के मेरे सभी दोस्तों को मेरा प्यार भरा नमस्कार. दोस्तो, आपको मेरी पहली कहानी वाइफ की चुदाई इनकम टैक्स ऑफिसर से इतनी पसंद आई, इसके लिए बहुत धन्यवाद. इनकम टैक्स ऑफीसर के साथ चुदाई के बाद मेरी बीवी का […]
Full Story >>>

कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-8

अब तक आपने पढ़ा कि राज अंकल ने पैसे लेकर मुझे अनजान लड़कों के हवाले कर दिया था चुदने के लिए. इस वक्त मैं महेश सुनील अब्दुल और रमीज के सामने नंगी पड़ी थी. वे चारों भी नंगे खड़े थे […]
Full Story >>>

तीन मर्द और मां की चुदाई

हाय दोस्तो, हम निशा और विराट एक बार फिर से आप लोगों के लिए माँ की चुदाई की कहानी लेकर हाजिर हैं. आप हमेशा हमें मेल कीजिएगा और अपने कमेंट्स भेजिए. आप हमें अपनी फंतासी भी बताइएगा कि आप क्या […]
Full Story >>>

मैंने अपने पति की तमन्ना पूरी की

मेरा नाम मनीषा है मैं दिल्ली की रहने वाली हूं। मैं दिखने में एकदम मस्त हूं। मेरा साइज 32 36 38 है, मेरा बदन एकदम चिकना है। मैं अपने पति से बहुत प्यार करती हूं और वह भी मुझसे बहुत […]
Full Story >>>